चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	6-12-24	3	1-4

मृदा दिवस • एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में हुआ कार्यक्रम

मृदा स्वास्थ्य की पर्यावरण संतुलन में अहम भूमिका : वीसी

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग ने विश्व मृदा दिवस पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मिट्टी की देखभाल: माप, निगरानी व प्रबंधन विषय पर कार्यक्रम किया। इसमें एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि भूमि की उर्वरक क्षमता बनाए रखने के लिए मिट्टी की जांच, फसल चक्र में बदलाव, जैविक प्रबंधन और कम भू-जल दोहन वाली फसलें व तकनीकें अपनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि मिट्टी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तो पैदावार भी बढ़ेगी। इसलिए किसान नियमित रूप से मिट्टी की जांच करवाते रहें

और उसके अनुरूप ही फसलों का चयन करें। अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से किसान की लागत भी बढ़ती है। उन्होंने कहा कि मृदा की उपजाऊ क्षमता को बनाए रखना खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसानों को अपने खेत की मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। इससे किसान सीमित मात्रा में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करके अधिक पैदावार ले सकते हैं। किसानों की मिट्टी की जांच के लिए विश्वविद्यालय ने समुचित प्रबंध किए हैं। किसानों को परंपरागत फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खेती करने के लिए आगे आने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि इससे उनकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत होगी। किसान फसल अवशेष ना जलाएं क्योंकि इससे भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने वाले जीवाणु समाप्त हो जाते हैं।

मिट्टी के 3000 और पानी के 2800 नमूनों की जांच की

कुलपति ने विभाग द्वारा आयोजित की गई भाषण प्रतियोगिता में मोनिका शर्मा, संजय व सिन्धु को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने विभाग की शोध संबंधी प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला तथा मृदा उर्वरता के जिला स्तरीय मानचित्र बनाने का सुझाव दिया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया विभाग द्वारा वर्ष 2024 में मिट्टी के 3000 तथा पानी के 2800 नमूनों की जांच की गई। मृदा विभाग के प्रमुख डॉ. दिनेश तोमर ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। मंच का संचालन डॉ. उषा वशिष्ठ ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	6.12.24	2	4-5

मिट्टी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तो पैदावार बढ़ेगी

जागरण संवाददाता • हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग की तरफ से विश्व मृदा दिवस पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मिट्टी की देखभाल: माप, निगरानी व प्रबंधन पर विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो.बीआर काम्बोज रहे।

कुलपति ने कहा कि भूमि की उर्वरक क्षमता बनाए रखने के लिए मिट्टी की जांच, फसल चक्र में बदलाव, जैविक प्रबंधन और कम भू-जल दोहन वाली फसलें व तकनीकें अपनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि मिट्टी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तो पैदावार भी बढ़ेगी। इसलिए किसान नियमित रुप से मिट्टी की जांच करवाते रहें और उसके अनुरुप ही फसलों का चयन करें। विश्व मृदा दिवस का उद्देश्य मिट्टी के संरक्षण, महत्व और उसके टिकाऊ उपयोग के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है। मिट्टी पृथ्वी पर जीवन का आधार है क्योंकि यह खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन में अहम भूमिका निभाती है। विश्व में लगभग 95 प्रतिशत खाद्य पदार्थ मिट्टी पर निर्भर है।

उन्होंने कहा कि मृदा की उपजाऊ क्षमता को बनाए रखना खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसानों को अपने खेत की मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। इससे किसान सीमित मात्रा में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करके अधिक पैदावार ले सकते हैं। कुलपति ने विभाग की तरफ से आयोजित की गई भाषण प्रतियोगिता में मोनिका शर्मा, संजय व सिन्धु को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने विभाग की शोध संबंधी प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा ने बताया कि विभाग ने वर्ष 2024 में मिट्टी के 3,000 व पानी के 2,800 नमूनों की जांच की। मृदा विभाग के प्रमुख डा. दिनेश तोमर ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। मंच संचालन डा. उषा वशिष्ठ ने किया।

हकृवि में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	6.12.24	8	3-4

मृदा स्वास्थ्य की खाद्य सुरक्षा पर्यावरण संतुलन में अहम भूमिका : काम्बोज

हिसार, 5 दिसंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग द्वारा विश्व मृदा दिवस पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मिट्टी की देखभाल: माप, निगसनी व प्रबंधन पर विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि भूमि की उर्वरक क्षमता बनाए रखने के लिए मिट्टी की जांच, फसल चक्र में बदलाव, जैविक प्रबंधन और कम भू-जल दोहन वाली फ़सलें व तकनीकें अपनाना बेहद जरुरी है। उन्होंने कहा कि मिट्टी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तो पैदावार भी बढ़ेगी। इसलिए किसान नियमित रुप से मिट्टी

हिसार स्थित हकृवि में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ अधिकारी एवं अन्य। -हप्र

की जांच करवाते रहें और उसके अनुरुप ही फसलों का चयन करें। अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से किसान की लागत भी बढ़ती है। विश्व मृदा दिवस का उद्देश्य मिट्टी के संरक्षण, महत्व और उसके टिकाऊ उपयोग के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है। कुलपति ने विभाग द्वारा आयोजित की गई भाषण प्रतियोगिता में मोनिका शर्मा, संजय व सिन्धु को पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	6.12.24	2	5-8

मृदा दिवसः सैंपलों में आ रही है पोषक तत्वों की कमी

हिसार, 5 दिसम्बर (ब्यूरो): जमीन में पोषक तत्वों की कमी हो रही है। इसका प्रमुख कारण किसानों का प्राकृतिक खेती से दूर होना है। इस कारण फसलों के उत्पादन और गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है। कृषि विभाग ने मिट्टी की जांच के लिए वर्ष 2024-25 में 169750 सैंपल लिए। इनमें से 43143 सैंपल की जांच हो चुकी है। सैंपलों के जांच के आंकड़ों को देखें तो 86 प्रतिशत सैंपल की रिपोर्ट में जमीन में किसी न किसी पोषक तत्व की कमी बताई गई है। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि फसल चक्र नहीं बदलने से यह समस्या ज्यादा हो रही है।

वहीं सॉयल हेल्थ टेस्टिंग प्लान के तहत कार्ड बनाए जा रहे हैं। इनके जरिए मिट्टी कैसी है उसकी तमाम जानकारी दी जा रही है। मृदा विशेषज्ञों का कहना है कि फसल चक्र न बदलने, गहरी जुताई न करने, जमीन को खाली न छोड़ने, उर्वरकों का अत्याधिक उपयोग करने, कीटनाशकों का अत्याधुंध प्रयोग से मिट्टी खराब हो रही है। मिट्टी की सेहत सही रखने के लिए फसल चक्र को अपनाते हुए देसी खादों का उपयोग करना होगा।

मृदा स्वास्थ्य की खाद्य सुरक्षा व पर्यावरण संतुलन में अहम भूमिका: प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि में मृदा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी. आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि भूमि की उर्वरक क्षमता बनाए रखने के लिए मिट्टी की जांच, फसल चक्र में बदलाव, जैविक प्रबंधन और क्रम भू-जल दोहन वाली फसलें व तकनीकें अपनाना बेहद जरुरी है। उन्होंने कहा कि मिट्टी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तो पैदावार भी बढ़ेगी। इसलिए

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

किसान नियमित रुप से मिट्टी की जांच करवाते रहें और उसके अनुरुप ही फसलों का चयन करें। अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से किसान की लागत भी बढ़ती है। विश्व मृदा दिवस का उद्देश्य मिट्टी के संरक्षण, महत्व और उसके टिकाऊ उपयोग के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है।

मिट्टी पृथ्वी पर जीवन का आधार है क्योंकि यह खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन में अहम भूमिका निभाती है। विश्व में लगभग 95 प्रतिशत खाद्य पदार्थ मिट्टी पर निर्भर है।

उन्होंने कहा कि मृदा की उपजाऊ क्षमता को बनाए रखना खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसानों को अपने खेत की मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। इससे किसान सीमित मात्रा में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करके अधिक पैदावार ले सकते हैं। किसानों की मिट्टी की जांच के लिए विश्वविद्यालय द्वारा समुचित प्रबंध किए गए हैं।

किसानों को परंपरागत फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खेती करने के लिए आगे आने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि इससे उनकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत होगी। किसान फसल अवशेष ना जलाएं क्योंकि इससे भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने वाले जीवाणु समाप्त हो जाते हैं। मृदा के क्षेत्र में वैज्ञानिकों की बहुत बड़ी भूमिका रही है। वैज्ञानिकों के द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों, सरकार द्वारा प्रदत्त कि जा रही सुविधाओं तथा किसानों के द्वारा की जा रही मेहनत राष्ट्र की प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

हकृवि में विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग द्वारा विश्व मृदा दिवस पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मिट्टी की देखभाल: माप, निगरानी व प्रबंधन पर विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कुलपति ने विभाग द्वारा आयोजित की गई भाषण प्रतियोगिता में मोनिका शर्मा, संजय व सिन्धु को पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने विभाग की शोध संबंधी प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला तथा मृदा उर्वरता के जिला स्तरीय मानचित्र बनाने का सुझाव दिया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि विभाग द्वारा वर्ष 2024 में मिट्टी के 3000 तथा पानी के 2800 नमूनों की जांच की गई। मृदा विभाग के प्रमुख डॉ दिनेश तोमर ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। मंच का संचालन डॉ. उषा वशिष्ठ ने किया। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी एवं किसान उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	6-12-24	5	7-8

खाद्य सुरक्षा व पर्यावरण संतुलन में मृदा स्वास्थ्य की अहम भूमिका : प्रो. कांबोज

एचएयू में कुलपति प्रो. बीआर कांबोज के साथ अधिकारी एवं अन्य। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग द्वारा विश्व मृदा दिवस पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मिट्टी की देखभाल : माप, निगरानी व प्रबंधन पर विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि भूमि की उर्वरक क्षमता बनाए रखने के लिए मिट्टी की जांच, फसल चक्र में बदलाव, जैविक प्रबंधन और कम भू-जल दोहन वाली फसलें व तकनीक अपनाना जरूरी है।

मृदा की उपजाऊ क्षमता को बनाए रखना खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि मिट्टी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तो पैदावार बढ़ेगी। इसलिए किसान नियमित रूप से मिट्टी की जांच करवाते रहें और उसके अनुरूप ही फसलों का चयन करें।

विश्व में लगभग 95 प्रतिशत खाद्य पदार्थ मिट्टी पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि मृदा की उर्वरता बनाए रखना खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए जरूरी है।

भाषण प्रतियोगिता के विजेता मोनिका शर्मा, संजय, सिंधु को पुरस्कृत किया गया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग और कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने भी जानकारी दी। बताया कि विभाग ने मिट्टी के 3,000, पानी के 2,800 नमूने जांचे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	6.12.24	4	2-5

पर्यावरण संतुलन में मृदा स्वास्थ्य अहम : प्रो. काम्बोज

■ हकृवि में विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग की ओर से विश्व मृदा दिवस पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मिट्टी की देखभालः माप, निगरानी व प्रबंधन पर विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. काम्बोज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भूमि की उर्वरक क्षमता बनाए रखने के लिए मिट्टी की जांच, फसल चक्र में बदलाव, जैविक प्रबंधन और कम भू-जल दोहन वाली फ़सलें व तकनीकें अपनाना बेहद जरुरी है। उन्होंने कहा कि मिट्टी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तो पैदावार भी बढ़ेगी, इसलिए किसान नियमित रुप से मिट्टी की जांच करवाते रहें और उसके अनुरुप ही फसलों का चयन करें। अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से किसान की लागत भी बढ़ती है। विश्व मृदा दिवस का उद्देश्य मिट्टी के संरक्षण, महत्व और उसके टिकाऊ उपयोग के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है। मिट्टी पृथ्वी पर जीवन का आधार है क्योंकि यह खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन में अहम भूमिका निभाती है। विश्व में लगभग 95 प्रतिशत खाद्य पदार्थ मिट्टी पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि मृदा की उपजाऊ क्षमता को बनाए रखना खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए बहुत जरूरी है।कुलपति ने विभाग द्वारा आयोजित की गई भाषण प्रतियोगिता में मोनिका शर्मा, संजय व सिन्धु को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने विभाग की शोध संबंधी प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला तथा मृदा उर्वरता के जिला स्तरीय मानचित्र बनाने का सुझाव दिया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि विभाग द्वारा वर्ष 2024 में मिट्टी के 3000 तथा पानी के 2800 नमूनों की जांच की गई। उन्होंने कुलपति द्वारा पांच कृषि विज्ञान केन्द्रों में नई मिट्टी प्रयोगशाला बनाने के लिए दिए गए बजट पर धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	6.12.24	5	3-6

मृदा स्वास्थ्य की खाद्य सुरक्षा व पर्यावरण संतुलन में अहम भूमिका : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि में विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 5 दिसम्बर (बिरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग द्वारा विश्व मृदा दिवस पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मिट्टी की देखभाल: माप, निगरानी व प्रबंधन पर विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी. आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि भूमि की उर्वरक क्षमता बनाए रखने के लिए मिट्टी की जांच, फसल चक्र में बदलाव, जैविक प्रबंधन और कम भू जल दोहन वाली फसलें व तकनीकें अपनाना बेहद जरुरी है। मिट्टी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तो पैदावार भी बढ़ेगी। इसलिए किसान नियमित रुप से मिट्टी की जांच करवाते रहें और उसके अनुरुप ही फसलों का चयन करें। अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से किसान की लागत भी बढ़ती है। विश्व मृदा दिवस का उद्देश्य मिट्टी के

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ अधिकारी एवं अन्य।

संरक्षण, महत्व और उसके टिकाऊ उपयोग के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है। मिट्टी पृथ्वी पर जीवन का आधार है क्योंकि यह खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन में अहा भूमिका निभाती है। विश्व में लगभग 95 प्रतिशत खाद्य पदार्थ मिट्टी पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि मृदा की उपजाऊ क्षमता को बनाए रखना खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसानों को अपने खेत की मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। इससे किसान सीमित मात्रा में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करके अधिक पैदावार ले सकते हैं। किसानों की मिट्टी की जांच के लिए विश्वविद्यालय द्वारा समुचित प्रबंध किए गए हैं। किसानों को परंपरागत फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खेती करने के लिए आगे आने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि इससे उनकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत होगी। किसान फसल अवशेष ना जलाएं क्योंकि इससे भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने वाले जीवाणु समाप्त हो जाते हैं। मृदा के क्षेत्र में वैज्ञानिकों की बहुत बड़ी भूमिका रही है। वैज्ञानिकों के द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों, सरकार द्वारा प्रदत्त कि जा रही सुविधाओं तथा किसानों के द्वारा की जा रही मेहनत राष्ट्र की प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। कुलपति ने विभाग द्वारा आयोजित की गई भाषण प्रतियोगिता में मोनिका शर्मा, संजय व सिन्धु को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने विभाग की शोध संबंधी प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला तथा मृदा उर्वरता के जिला स्तरीय मानचित्र बनाने का सुझाव दिया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि विभाग द्वारा वर्ष 2024 में मिट्टी के 3000 तथा पानी के 2800 नमूनों की जांच की गई। उन्होंने कुलपति द्वारा पांच कृषि विज्ञान केन्द्रों में नई मिट्टी प्रयोगशाला बनाने के लिए दिए गए बजट पर उनका धन्यवाद किया। मृदा विभाग के प्रमुख डॉ दिनेश तोमर ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। मंच का संचालन डॉ. उषा वशिष्ठ ने किया। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी एवं किसान उपस्थित रहे क

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	6.12.24	3	3-4

अंतर कॉलेज कबड्डी टूर्नामेंट में कृषि कॉलेज हिसार की टीम बनी चैंपियन

फाइनल में कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर बावल की टीम को 2 अंकों से हराया

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर कॉलेज कबड्डी टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में कृषि कॉलेज, हिसार की टीम ने 35 व कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर बावल की टीम ने 33 अंक प्राप्त किए। कृषि कॉलेज हिसार की टीम ने मुकाबला जीत लिया।

फाइनल मुकाबले में कृषि कॉलेज हिसार की टीम के खिलाड़ी मयंक और सोनू ने उम्दा खेल का प्रदर्शन किया। कबड्डी प्रतियोगिता के इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलना चाहिए। इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़, डॉ. चन्द्रशेखर डागर, डॉ. सुन्दर पाल, डॉ. पवन पूनियां, डॉ. देवेन्द्र सिंह, डॉ. अमनदीप सिंह, डॉ. विक्रम, एएसओ रणधीर ढाका, इन्दु चौधरी, तथा आयोजक सचिव निर्मल सिंह मौजूद रहे। रेफरी की भूमिका डॉ. सतेन्द्र सिंह व डॉ. विकास कंबोज ने निभाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	6.12.24	3	3-4

एचएयू के कृषि महाविद्यालय की कबड्डी टीम बनी चैंपियन

एचएयू में प्रतियोगिता के दौरान डा. राजबीर गर्ग विजेता टीम के साथ • पीआरओ

जागरण संवाददाता • हिसार: चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर महाविद्यालय कबड्डी टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में वीरवार को कृषि महाविद्यालय की टीम ने 35 व कालेज आफ एग्रीकल्चर बावल की टीम ने 33 अंक प्राप्त किए।

इस प्रकार कृषि महाविद्यालय की टीम ने यह मुकाबला जीता। फाइनल मुकाबले में कृषि महाविद्यालय की टीम के खिलाड़ी मंयक और सोनू ने उम्दा खेल का प्रदर्शन किया। कबड्डी प्रतियोगिता में अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग बतौर मुख्य अतिथि रहे। डा. राजबीर गर्ग ने कहा कि खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलना चाहिए।

इस दौरान छात्र कल्याण निदेशक डा. मदन खीचड़, डा. चन्द्रशेखर डागर, डा. सुंदर पाल, डा. पवन पूनिया, डा. देवेन्द्र सिंह, डा. अमनदीप सिंह, डा.विक्रम, एएसओ रणधीर ढाका, इंदु चौधरी तथा आयोजक सचिव निर्मल सिंह मौजूद रहे। रेफरी की भूमिका डा. सतेन्द्र सिंह व डा. विकास कंबोज ने निभाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	6-12-24	12	2-6

हकृवि में अंतर महाविद्यालय कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन

कृषि महाविद्यालय की कबड्डी टीम बनी चैंपियन, बावल कॉलेज को हराया

हिसार। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग के साथ विजेता टीम।

अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर महाविद्यालय कबड्डी टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में कृषि महाविद्यालय, हिसार की टीम ने 35 व कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर बावल की टीम ने 33 अंक प्राप्त किए। इस प्रकार कृषि महाविद्यालय, हिसार की टीम ने यह मुकाबला जीत लिया। फाइनल मुकाबले में कृषि महाविद्यालय, हिसार की टीम के खिलाड़ी मंबक और सोनू ने उम्दा खेल का प्रदर्शन किया। कबड्डी प्रतियोगिता के इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और खिलाड़ियों से परिचय लिया। इस अवसर पर डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़, डॉ. चन्द्रशेखर डागर, डॉ. सुन्दर पाल, डॉ. पवन पूनियां, डॉ. देवेन्द्र सिंह, डॉ. अमनदीप सिंह, डॉ. विक्रम, एएसओ रणधीर ढाका, इन्दु चौधरी, तथा आयोजक सचिव निर्मल सिंह मौजूद रहे। रेफरी की भूमिका डॉ. सतेन्द्र सिंह व डॉ. विकास कंबोज ने निभाई।

जाट कॉलेज में जिला स्तरीय अंडर-17 फुटबाल चैंपियनशिप 8 से

हिसार। डिस्ट्रिक्ट फुटबाल एसोसिएशन हिसार के तत्वाधान में दो दिवसीय अंडर-17 जूनियर (बॉयज) फुटबाल चैंपियनशिप का जिलास्तरीय आयोजन जाट कॉलेज हिसार के फुटबाल ग्राउंड पर 8 व 9 दिसंबर को किया जाएगा। संघ के अध्यक्ष महावीर गोयल डाटा व सचिव संदीप सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि इस प्रतियोगिता में केवल जिला हिसार के खिलाड़ी ही भाग ले सकते है जिनकी आयु 01 जनवरी 2008 के बाद की होनी चाहिए। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कोई भी वार्ड, शहर, क्लब या स्कूल की टीम भाग ले सकती है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ी अपने साथ आयु प्रमाण पत्र के साथ आधार कार्ड की कॉपी भी साथ लेकर आएं। प्रतियोगिता में सभी मुकाबले नॉक आउट प्रणाली पर खेले जायेंगे व विजेता टीमों को ट्रॉफी व मेरिट सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जायेगा।

हिसार। सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी व अन्य।

राजकीय पॉलिटेक्निक मंडी आदमपुर की टीम रही प्रथम

हिसार। एनएसएस यूनिट और हरियाणा के यातायात विभाग के सहयोग से गुरु दक्ष गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, हिसार में आयोजित जोनल स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता में विभिन्न संस्थानों/कॉलेजों की कुल 35 टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम में संस्थान के तीन प्रतिभाशाली सदस्य थे और कुल मिलाकर प्रत्येक संस्थान से नौ सदस्य शामिल हुए थे। लेफ्टिनेंट संदीप कुमार ने जितेंद्र बाजिया (मुख्य समन्वयक), रमेश शर्मा, रविंदर गौतम, बाला देवी, राम प्रसाद और स्वीटी सहित समिति के सदस्यों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार ने आयोजकों को बधाई दी। राजकीय पॉलिटेक्निक, मंडी आदमपुर की टीम नंबर 10 ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, उसके बाद टीम नंबर 30 (राजकीय आईटीआई, मंडी आदमपुर) द्वितीय और टीम नंबर 16 (राजकीय आईटीआई, बालसमंद) तृतीय स्थान पर रही। चार अन्य टीमों सीआर लॉ कॉलेज, श्री चैतन्य, तोशाम रोड, और डीएन कॉलेज, ने अगले चरण के लिए क्वालीफाई किया। पारितोष पराशर ने यातायात विभाग के कर्मचारियों के सहयोग से इस कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक संचालन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	6.12.24	5	4

एचएयू के कृषि महाविद्यालय की कबड्डी टीम बनी चैंपियन

हिसार, 5 दिसंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर महाविद्यालय कबड्डी टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में कृषि महाविद्यालय, हिसार की टीम ने 35 व कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर बावल की टीम ने 33 अंक प्राप्त किए। इस प्रकार कृषि महाविद्यालय, हिसार की टीम ने यह मुकाबला जीत लिया। फाइनल मुकाबले में कृषि महाविद्यालय, हिसार की टीम के खिलाड़ी मंयक और सोनू ने उम्दा खेल का प्रदर्शन किया। कबड्डी प्रतियोगिता के इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और खिलाड़ियों से परिचय लिया। डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़, डॉ. चन्द्रशेखर डागर, डॉ. सुन्दर पाल, डॉ. पवन पूनियां, डॉ. देवेन्द्र सिंह, डॉ. अमनदीप सिंह मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	6.12.24	4	3-6

कृषि महाविद्यालय की कबड्डी टीम बनी चैंपियन

डॉ. राजबीर गर्ग विजेता टीम के साथ

हिसार, 5 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर महाविद्यालय कबड्डी टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में कृषि महाविद्यालय की टीम ने 35 व कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर बावल की टीम ने 33 अंक प्राप्त किए। इस प्रकार कृषि महाविद्यालय, हिसार की टीम ने यह मुकाबला जीत लिया।

फाइनल मुकाबले में कृषि महाविद्यालय की टीम के खिलाड़ी मंयक और सोनू ने उम्दा खेल का प्रदर्शन किया।

कबड्डी प्रतियोगिता के इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और खिलाड़ियों से परिचय लिया।

डॉ.राजबीर गर्ग ने कहा कि खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है।

इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़, डॉ. चन्द्रशेखर डागर, डॉ. सुन्दर पाल, डॉ. पवन पूनियां, डॉ. देवेन्द्र सिंह, डॉ. अमनदीप सिंह, डॉ. विक्रम, एएसओ रणधीर ढ़ाका, इन्दु चौधरी, तथा आयोजक सचिव निर्मल सिंह मौजूद रहे। रेफरी की भूमिका डॉ. सतेन्द्र सिंह व डॉ. विकास कंबोज ने निभाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Savera Times	05.12.2024	--	--

HAU hosts successful fair and health camp

Community Science College's initiative brings agriculture advancements, health services, and entrepreneurship insights to rural women and farmers

a The Savera Times Network

Chief guest presenting awards at the event

Hisar : Students of the Community Science College at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) organized a vibrant fair and free health camp at the Government Girls High School in village Chaudhariwas, Hisar. The event aimed to empower women and introduce new agricultural techniques to local farmers, ultimately enhancing agricultural productivity and income.

Dr. Bina Yadav, Dean of the college, graced the fair as the chief guest. In her speech, she emphasized that women are excelling in all fields, including education, health, sports, and information technology. She highlighted the efforts of university scientists in sharing valuable agricultural information, focusing on advanced farming techniques, high-quality seeds, and the responsible use of chemical fertilizers and pesticides to boost crop production.

The event also featured a special address by social worker Sanjay Kumar Dalmia, who provided insights into entrepreneurship. Several experts, including Dr. Kiran Singh, Dr. Neelam M. Rose, Dr. Veenu Sangwan, Dr. Pramila Krishna Chahal, and mushroom farming entrepreneur Dr. Vikas Verma, shared their knowledge and experiences with the attendees. Women from self-help groups and Anganwadi workers actively participated in the fair, showing great enthusiasm.

In parallel, Pranami Health Group conducted a free health camp, where a team of 10 doctors and nurses offered health check-ups to the participants. This initiative was part of the efforts by the Department of Resource Management and Consumer Sciences to promote well-being in the community.The fair served as a valuable platform for empowering women, enhancing farmers' agricultural practices, and promoting health awareness in the village.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	05.12.2024	--	--

मृदा स्वास्थ्य की खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन में अहम भूमिका : प्रो. बीआर काम्बोज

हकृवि में विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग द्वारा विश्व मृदा दिवस पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मिट्टी की देखभाल: माप, निगरानी व प्रबंधन पर विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

प्रो काम्बोज ने कहा कि भूमि की उर्वरक क्षमता बनाए रखने के लिए मिट्टी की जांच, फसल चक्र में बदलाव, जैविक प्रबंधन और कम भू-जल दोहन वाली फसलें व तकनीकें अपनाना बेहद जरुरी है। उन्होंने कहा कि मिट्टी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तो पैदावार भी बढ़ेगी। इसलिए किसान

नियमित रुप से मिट्टी की जांच करवाते रहें और उसके अनुरुप ही फसलों का चयन करें। अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से किसान की लागत भी बढ़ती है। विश्व मृदा दिवस का उद्देश्य मिट्टी के संरक्षण, महत्व और उसके टिकाऊ उपयोग के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है। मिट्टी पृथ्वी पर जीवन का आधार है क्योंकि यह खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि मृदा की उपजाऊ क्षमता को बनाए रखना खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए बहुत जरूरी है।

किसानों को परंपरागत फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खेती करने के लिए आगे आने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि इससे उनकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत होगी। किसान फसल अवशेष ना जलाएं क्योंकि इससे भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने वाले जीवाणु समाप्त हो जाते है। मृदा के क्षेत्र में वैज्ञानिकों की बहुत बड़ी भूमिका रही है। वैज्ञानिकों के द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों, सरकार द्वारा प्रदत्त कि जा रही सुविधाओं तथा किसानों के द्वारा की जा रही मेहनत राष्ट्र की प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। कुलपति ने विभाग द्वारा आयोजित की गई भाषण प्रतियोगिता में मोनिका शर्मा, संजय व सिन्धु को पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	06.12.2024	--	--

एचएयू के कृषि महाविद्यालय, हिसार की कबड्डी टीम बनी चैंपियन

डा. राजबीर गर्ग विजेता टीम के साथ।

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी हिसार, 4 दिसंबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर महाविद्यालय कबड्डी टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में कृषि महाविद्यालय, हिसार की टीम ने 35 व कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर बावल की टीम ने 33 अंक प्राप्त किए। इस प्रकार कृषि महाविद्यालय, हिसार की टीम ने यह मुकाबला जीत लिया। फाइनल मुकाबले में कृषि महाविद्यालय, हिसार की टीम के खिलाड़ी मंयक और सोनू ने उम्दा खेल का प्रदर्शन किया। कबड्डी प्रतियोगिता के इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और खिलाडियों से परिचय लिया। डा. राजबीर गर्ग ने कहा कि खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलना चाहिए। इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डा. मदन खीचड़, डा. चन्द्रशेखर डागर, डा. सुन्दर पाल, डा. पवन पूनिया, डा. देवेन्द्र सिंह, डा. अमनदीप सिंह, डा. विक्रम, एएसओ रणधीर ढाका, इन्दु चौधरी, तथा आयोजक सचिव निर्मल सिंह मौजूद रहे। रेफरी की भूमिका डा. सतेन्द्र सिंह व डा. विकास कंबोज ने निभाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	06.12.2024	--	--

मृदा स्वास्थ्य की खाद्य सुरक्षा व पर्यावरण संतुलन में अहम भूमिका : कुलपति

हकृवि में विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 5 दिसंबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग द्वारा विश्व मृदा दिवस पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मिट्टी की देखभाल, माप, निगरानी व प्रबंधन पर विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि भूमि की उर्वरक क्षमता बनाए रखने के लिए मिट्टी की जांच, फसल चक्र में बदलाव, जैविक प्रबंधन और कम भूजल दोहन वाली फसलें व तकनीक अपनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि मिट्टी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तो पैदावार भी बढ़ेगी। इसलिए किसान नियमित रूप से मिट्टी की जांच करवाते रहें और उसके अनुरूप ही फसलों का चयन करें। अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से किसान की लागत भी बढ़ती है। विश्व मृदा दिवस का उद्देश्य मिट्टी के संरक्षण, महत्व और उसके टिकाऊ उपयोग के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है। मिट्टी पृथ्वी पर जीवन का आधार है क्योंकि वह खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन में अहम भूमिका निभाती है। विश्व में लगभग 95 प्रतिशत खाद्य पदार्थ मिट्टी पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि मृदा की उपजाऊ क्षमता को बनाए रखना खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसानों को अपने खेत की मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। इससे किसान सीमित मात्रा में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग करके अधिक पैदावार ले सकते हैं। किसानों की मिट्टी की जांच के लिए विश्वविद्यालय द्वारा समुचित प्रबंध किए गए हैं। किसानों को परम्परागत फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खेती करने के लिए आगे आने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि इससे उनकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत होगी। किसान फसल अवशेष ना जलाएं क्योंकि इससे भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने वाले जीवाणु समाप्त हो जाते हैं। मृदा के क्षेत्र में वैज्ञानिकों की बहुत बड़ी भूमिका रही है। वैज्ञानिकों के द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों, सरकार द्वारा प्रदत्त कि जा रही सुविधाओं तथा किसानों के द्वारा की जा रही मेहनत राष्ट्र की प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। कुलपति ने विभाग द्वारा आयोजित की गई भाषण प्रतियोगिता में मोनिका शर्मा, संजय व सिन्धु को पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ अधिकारी एवं अन्य।

अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने विभाग की शोध संबंधी प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला तथा मृदा उर्वरता के जिला स्तरीय मानचित्र बनाने का सुझाव दिया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि विभाग द्वारा वर्ष 2024 में मिट्टी के 3000 तथा पानी के 2800 नमूनों की जांच की गई। उन्होंने कुलपति द्वारा पांच कृषि विज्ञान केन्द्रों में नई मिट्टी प्रयोगशाला बनाने के लिए दिए गए बजट पर उनका धन्यवाद किया। मृदा विभाग के प्रमुख डॉ दिनेश तोमर ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। मंच का संचालन डॉ. जया वशिष्ठ ने किया। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी एवं किसान उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	05.12.2024	--	--

कृषि महाविद्यालय, हिसार की कबड्डी टीम बावल की टीम को हराकर बनी चैंपियन

डॉ. राजबीर गर्ग विजेता टीम के साथ

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर महाविद्यालय कबड्डी टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में कृषि महाविद्यालय, हिसार की टीम ने 35 व कॉलेज ऑफ़ एग्रीकल्चर बावल की टीम ने 33 अंक प्राप्त किए। इस प्रकार कृषि महाविद्यालय, हिसार की टीम ने यह मुकाबला जीत लिया। फाइनल मुकाबले में कृषि महाविद्यालय, हिसार की टीम के खिलाड़ी मंयक और सोनू ने उम्दा खेल का प्रदर्शन किया।

कबड्डी प्रतियोगिता के इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और खिलाड़ियों से परिचय लिया। डॉ राजबीर गर्ग ने कहा कि खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है।

इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़, डॉ. चन्द्रशेखर डागर, डॉ. सुन्दर पाल, डॉ. पवन पूनियां, डॉ. देवेन्द्र सिंह, डॉ. अमनदीप सिंह, डॉ. विक्रम, एएसओ रणधीर ढ़ाका, इन्दु चौधरी, तथा आयोजक सचिव निर्मल सिंह मौजूद रहे। रेफरी की भूमिका डॉ. सतेन्द्र सिंह व डॉ. विकास कंबोज ने निभाई।